EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The Cable TV distribution has undergone a sea change in the Indian broadcast landscape. We have seen how the MSOs grew by capturing markets that were primarily developed by regional LCOs. The evolution and growth of cable came through the regional cable distribution as the operations of cable companies were confined to distinct area.

The other development is the flip-flop on the Sony – Zee merger that ultimately should in all probability go through. Zee is not in any position to let go of this merger option as its finances are all in a precarious state. So the reading is it will go through without Punit Goenka as the CEO, as Sony will not allow any change in its stance. Reliance – Disney merger should be a smooth sailing and should not be face any major challenges.

OTT services and sports broadcasting will reshape the media landscape in 2024. New technologies are slowly transforming viewers from passive spectators to active participants, and this will eventually go beyond just choosing screens and feeds the future of cable TV will see cable TV companies adapting to change and giving the viewer bundled packages along with broadband services and investing in exclusive content.

FTTH is evolving and satellite broadband is expected to redraw the broadband connectivity spread across the hinterland. There is going to be a major focus on sustainability and we will see efforts to reduce resources, waste, and emissions from network operations, upgrades, and deployments. AI will drive new transformation in the cable industry and see widespread integration and will help AI operators in accelerating troubleshooting processes, optimizing monitoring procedures.

A Very Happy and Transformative 2024 to the Readers of SCATMAG.

(Manoj Kumar Madhavan)

भारतीय प्रसारण परिदृश्य में केबल टीवी वितरण में बड़ा बदलाव आया है। हमने देखा है कि कैसे एमएसओ ने उन बाजारों पर कब्जा करके विकास किया है जो मुख्य रूप से क्षेत्रीय एलसीओ द्वारा विकसित किये गये थे। केबल का विकास और क्रम विकास क्षेत्रीय केबल वितरण के माध्यम से हुआ है, क्योंकि केबल कंपनियों का संचालन अलग-अलग क्षेत्रों तक सीमित था।

अन्य विकास सोनी-जी विलय पर फ्लिप-फ्लॉप है जिसे अंततः सभी संभावनाओं से गुजरना होगा। जी इस विलय के विकल्प को छोड़ने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उसकी वित्तीय स्थिति अनिश्चित है। तो कहना का मतलब यह है कि यह सीईओ के रूप में पुनीत गोयनका के बिना ही चलेगा, क्योंकि सोनी अपने रूख में कोई बदलाव नहीं होने देगा। रिलायंस-डिज्नी विलय सुचारू होनी चाहिए और किसी बड़े चुनौती का सामना नहीं करना चाहिए।

*ओटीटी सेवायें और खेल प्रसारण **2024** में मीडिया परिदृश्य को नया आकार देंगे। नयी तकनीकियां धीरे-धीरे दर्शकों को निष्क्रिय दर्शकों से सक्रिय प्रतिभागियों में बदल रही है और यह अंततः केवल स्क्रीन और फिल्ड चुनने से आगे निकल जायेगा, केबल टीवी के भविष्य में केबल टीवी कंपनियां बदलाव को अपनाते हुए दिखेंगी और दर्शकों को ब्रॉडबैंड सेवाओं के साथ-साथ बंडल पैकेज भी देगी और विशेष सामग्री में निवेश करेगी।*

एफटीटीएच विकसित हो रहा है और सैटेलाइट ब्रॉडबैंड से भीतरी इलाकों में फैली ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को फिर से स्थापित करने की उम्मीद है। स्थिरता पर एक बड़ा ध्यान केंद्रित हो रहा है और हम नेटवर्क संचालन, उन्नयन और तैनाती से संसाधनों, अपशिष्ट और उत्सर्जन को कम करने का प्रयास देखेंगे। एआई केबल उद्योग में नये परिवर्तन लायेगा और एआई व्यापक एकीकरण देखेगा और एआई ऑपरेटरों को समस्या निवारण प्रक्रियाओं में तेजी लाने, निगरानी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने में मदद करेगा।

स्कैट पत्रिका पाठकों के लिए बहुत सुखद और परिवर्तनकारी **2024** की कामना करता है।

(Manoj Kumar Madhavan)